|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 25. Juni 2023 | | |
| **12. Sonntag im Jahreskreis A** | | |
| Erste Lesung: Jer 20,10-13; Zweite Lesung: Röm 5,12-15; Evangelium: Mt 10,26-33 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 429, 1+3! | Gott wohnt in einem Lichte |
|  | GL 409, 1-3 | Singt dem Herrn ein neues Lied |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 128 | Herr, erbarme dich |
|  | GL 437 | Meine engen Grenzen |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 171 | Preis und Ehre |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 69,8 u. 10.14.33-34 | |
|  | Kehrverse: |  |
|  | GL 307, 5 | Meine Hilfe und mein Retter |
|  | GL 629, 1 | Du führst mich hinaus ins Weite |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 365 | Meine Hoffnung und meine Freude |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |  |
|  | *Der Geist der Wahrheit wird Zeugnis für mich geben;* | |
|  | *Und auch ihr sollt Zeugen sein.* | |
|  |  |  |
| Credo: | GL 456, 1+2+4! | Herr, du bist mein Leben |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 417, 1-4 | Stimme, die Stein zerbricht |
|  | GL 421, 1+2! | Mein Hirt ist Gott der Herr |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 129 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 348, 2+4! | Du heller Schein |
|  | GL 414 | Herr, unser Herr |
|  | GL 484, 1+2+6 | Dank sei dir, Vater |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 382, 3-5 | Er ist’s, auf dessen Ruf |
|  | GL 403, 1-3 | Nun danket alle |
|  | GL 786, 2+3 | Mit dir, du starker Heiland du |
|  | Am Samstag: |  |
|  | GL 835 | Sankt Johannes, hoch in Gnaden |